**14 (HIN–3) 3026**

**2021**

**( Held in 2022 )**

**HINDI**

Paper : HIN–3026

***( Bhāshāvijnān Ke Siddhānt Evam Shailīvijnān )***

*( भाषाविज्ञान के सिद्धान्त एवं शैलीविज्ञान )*

*Full Marks : 64*

Time : Three hours

***The figures in the margin indicate full marks for the questions.***

1. सही विकल्प का चयन करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) "A language is a system of arbitrary vocal symbols by means of which members of a social group cooperate and interact." — भाषा की यह परिभाषा किसकी है ?

*(i)* वेन्द्रिए

*(ii)* क्रोचे

*(iii)* हैलिडे

*(iv)* स्तुत्वा।

(ख) वस्तुतः भाषाविज्ञान की कितनी शाखाएँ मानी जाती रही हैं?

*(i)* तीन

*(ii)* चार

*(iii)* दो

*(iv)* छः।

(ग) "साधुत्वज्ञान विषया सैषा व्याकरण स्मृतिः।" — व्याकरण के बारे में यह कथन किस मनीषी का है?

*(i)* भर्तृहरि

*(ii)* पाणिनि

*(iii)* पतंजलि

*(iv)* भट्टोजि दीक्षित।

(घ) भारतीय दृष्टि से वाक्य के लिए आवश्यक बात नहीं है —

*(i)* योग्यता

*(ii)* आकांक्षा

*(iii)* आसत्ति

*(iv)* अग्रता।



(ङ) 'गाँव के सारे लोग इस मन्दिर में बरसों से पूजा करते चले आ रहे हैं।' — यह किस प्रकार का वाक्य है?

*(i)* सरल वाक्य

*(ii)* मिश्र वाक्य

*(iii)* संयुक्त वाक्य

*(iv)* सुदीर्घ वाक्य।

(च) हिन्दी भाषा में 'कीजिए' के स्थान पर 'करिए' होने के पीछे रूप-परिवर्तन का कौन-सा कारण विद्यमान है?

*(i)* नियमन

*(ii)* स्पष्टता

*(iii)* अज्ञानता

*(iv)* बहुप्रयुक्त रूपों का प्रभाव।

(छ) मुख-विवर में दाँतों से ठीक ऊपरवाले उबड़-खाबड़ अंश को कहा जाता है —

*(i)* मूर्द्धा

*(ii)* वर्त्स

*(iii)* कौवा

*(iv)* काकल।

(ज) 'रोटी' शब्द का अर्थ 'आजीविका' होने को कहा जाता है —

*(i)* अर्थ-विस्तार

*(ii)* अर्थ-संकोच

*(iii)* अर्थ का स्थूलीकरण

*(iv)* अर्थ का सूक्ष्मीकरण।

(झ) "हर व्यक्ति की अपनी शैली होती है।" (Any man has a peculiar style) — शैली के बारे में ऐसा किसने कहा है?

*(i)* प्लेटो

*(ii)* न्यूमैन

*(iii)* शापनहावर

*(iv)* डॉ॰ जॉनसन

(ञ) "उपज्यो तेहि कुल मंदमति शठ कवि केशवदास।" — 'रामचन्द्रिका' की इस काव्य-पंक्ति में 'जनम्यो' शब्द के बदले 'उपज्यो' शब्द के चयन के पीछे विद्यमान आधार है —

*(i)* प्रकरण-उपयुक्तता

*(ii)* अर्थ का सूक्ष्म अन्तर

*(iii)* व्युत्पत्ति

*(iv)* अर्थ की दूरगामी व्यंजना।



2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×7=14

(क) 'लिपिविज्ञान' के अन्तर्गत किन बातों का अध्ययन किया जाता है?

(ख) 'समाज-भाषाविज्ञान' क्या है?

(ग) वाक्य के सन्दर्भ में अन्विति का आशय बताइए।

(घ) एक ध्वनि-यन्त्र के रूप में जीभ की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(ङ) भाषाविज्ञान के सन्दर्भ में अर्थ की परिभाषा प्रस्तुत कीजिए।

(च) शैलीविज्ञान के विषय-क्षेत्र को रेखांकित कीजिए।

(छ) 'समानान्तरता' किसे कहते हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) अयोगात्मक भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) अर्थ या भाव की दृष्टि से वाक्य के अलग-अलग प्रकारों पर सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ग) स्वर और व्यंजन ध्वनियों के अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(घ) आधुनिक सन्दर्भ में शैलीविज्ञान की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं तीन*** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का आशय स्पष्ट करते हुए भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(ख) भाषाविज्ञान की परिभाषा प्रस्तुत करते हुए उसके विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(ग) वाक्य किसे कहते हैं? वाक्य-रचना में होने वाले परिवर्तनों के पीछे विद्यमान कारणों का खुलासा कीजिए।

(घ) सम्बन्ध-तत्व और अर्थ-तत्व क्या हैं? संबंध-तत्वों के *किन्हीं छः* प्रकारो पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

(ङ) अर्थ-परिवर्तन के *किन्हीं दस* कारणों का उल्लेख करते हुए उनमें से प्रमुख छः कारणों पर उदाहरणसहित प्रकाश डालिए।



(च) 'विचलन' किसे कहते हैं? ध्वनि-विचलन, संज्ञा-विचलन, सर्वनाम-विचलन और क्रिया-विचलन पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

---